Padma Shri



Shri Kota Srinivasa Rao

Shri Kota Srinivasa Rao is one of the most versatile and admirable Indian Film actors. He is fondly called as "Kota" by his peers and admirers in contemporary Telugu Cinema. He has acted in over 750 films in Telugu, Hindi, Tamil, Malayalam and Kannada languages in a span of four decades and continues to enamor Telugu audiences by portraying different characters in all the dialects of Telugu language.

2. Born on July 10, 1944 in Kankipadu, Shri Rao graduated in B.Sc (Bachelor of Science) from C R Reddy College, Eluru, Andhra University. His passion for acting began early in his school days and gained momentum during his college. He was working in State Bank of India before his entry in films. He began his career with theatre, acting in many plays in diversified noteworthy characters. He made his debut with the film Praanam Khareedu (1978). His role in Pratighatana (1985) was instrumental in launching him to stardom as an actor. Shri Rao had received critical acclaim for his diversified roles in Aha Na Pellanta, Ganesh, Shatruvu, Bommarillu, Malliswari, Aadavari Matalaku Ardhale Verule, Gabbar Singh and Attarintiki Daaredi. His work in Hindi film Sarkar with Shri Amitabh Bachchan and Sammy in Tamil was much appreciated.

3. Shri Rao has been committed to promote and serve the Telugu Theatre, Art and Culture. He often participates in such events and programmes. He was elected and served as a Member of Legislative Assembly (Bhartiya Janata Party) from Vijayawada East Constituency, Andhra Pradesh from 1999-2004.

4. Shri Rao has been honoured with Nine prestigious Nandi Awards by State Government of Andhra Pradesh for his excellent performances as Best Character actor, Best Supporting actor and Best actor in Negative roles. Shri Rao has also received Relangi Award (2005), Dr. Allu Ramalingaiah Puraskaram (2014) and several others. He has also been garnered with SIIMA (South Indian International Movie Award) for "Krishnam Vande Jagadgurum " (2012).



श्री कोटा श्रीनिवासा राव

श्री कोटा श्रीनिवासा राव सर्वाधिक बहुमुखी एवं प्रशंसनीय भारतीय फिल्म कलाकारों में से एक हैं। आपके समकक्ष सह-कलाकार तथा समकालीन तेलुगू सिनेमा के प्रशंसक आपको स्नेह से "कोट" कहकर बुलाते हैं। आपने चार दशकों की लम्बी अवधि के दौरान तेलुगू, हिन्दी, तमिल, मलयालम तथा कन्नड़ भाषाओं की 750 से भी अधिक फिल्मों में काम किया है और अभी भी तेलुगू भाषा की समस्त बोलियों में भिन्न-भिन्न चरित्रों का चित्रण करके तेलुगू दर्शकों को मोहित करते रहते हैं।

2. आपका जन्म 10 जुलाई, 1944 को कनकीपाडु में हुआ था। आपने सी आर रेड्डी कॉलेज, एलूरू, आंध्र विश्वविद्यालय से बी.एस.सी. (बैचॅलॅर ऑव साइंस) में स्नातक की उपाधि प्राप्त की। आपको अभिनय का शौक बहुत ही कम उम्र में स्कूल के दिनों में ही शुरू हो गया था और कॉलेज में पढ़ाई के दौरान यह परवान चढ़ा। फिल्मों में काम शुरू करने के पहले आप भारतीय स्टेट बैंक में सेवारत थे। आपने कई एक नाटकों में नाना प्रकार के दृष्टव्य चरित्रों को अभिनीत करके रंगशाला से अपने कैरियर की शुरूआत की। आपने "प्राणम खरीदु" फिल्म (1978) से अपने फिल्मी कैरियर का सफर आरंभ किया। प्रतिघटना (1985) में एक कलाकार के रूप में आपकी भूमिका आपको स्टारडम बनाने में बहुत अहम रही थी। आपको अहा ना पेल्लन्टा, गणेश, शत्रुवु, बोम्मारील्लु, मल्लीस्वरी, आडावारी माटालकु अर्धले वेरूले, गब्बर सिंह तथा अत्तारिंटीकी दारेदी में आपकी विविध भूमिकाओं के लिए आपकी भूरि-भूरि प्रशंसा की गई। हिन्दी फिल्म 'सरकार' में श्री अमिताभ बच्चन के साथ और तमिल फिल्म साम्मी में आपके काम की बहुत अधिक सराहना की गई।

3. आप तेलुगू रंगशाला (थिएटर), कला तथा संस्कृति को विकसित करने और उसकी सेवा करने के लिए प्रतिबद्ध रहे। आप अक्सर ऐसे समारोहों और कार्यक्रमों में भाग लेते रहते हैं। आप आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा-पूर्व चुनाव क्षेत्र से विधान सभा (भारतीय जनता पार्टी) का चुनाव जीता और वर्ष 1999 से 2004 तक विधान सभा के सदस्य रहे।

4. आपको आंध्र प्रदेश की राज्य सरकार द्वारा सर्वोत्तम चरित्र अभिनेता, सर्वोत्तम सहायक अभिनेता और नकारात्मक भूमिका में सर्वोत्तम अभिनेता के रूप में आपके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए नौ प्रतिष्ठित नन्दी पुरस्कारों से नवाज़ा गया है। आपको रेलांगी पुरस्कार (2005), डा. अल्लू रामलिंगैया पुरस्कारम् (2014) तथा कई अन्य पुरस्कारों से भी सम्मानित किया गया है। आपको "कृष्णम् वन्दे जगदगुरूम" (2012) के लिए सीमा (दक्षिण भारतीय अंतर राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार) से भी अलंकृत किया गया है।